जून, 2024
अंक 3

अंतरदेश

सरहदों के पार हिंदी का संसार

कनाडा विशेषांक

अंक संपादक:
हंसा दीप

अंतरदेश

सरहदों के पार हिंदी का संसार

कनाडा विशेषांक

जून 2024

संपादक मंडल (अवैतनिक):

अडेलै हेनिश-टेम्बे, लाइप्त्सिग विश्वविद्यालय, जर्मनी, adele_hennig@gmx.de

आनंद वर्धन शर्मा, सोफ़िया विश्वविद्यालय, बल्गारिया, anandsharma_64@yahoo.co.in

एरिका करांति, तूरीन विश्वविद्यालय, इटली, erika.caranti@gmail.com

दिव्यराज अमिय, त्युबिंगन विश्वविद्यालय, जर्मनी और ज़्यूरिख विश्वविद्यालय स्विट्जरलैंड, divyaraj.amiya@uni-tuebingen.de

राम प्रसाद भट्ट, हैम्बर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी, ram.prasad.bhatt@uni-hamburg.de

ली यालान, बेइजींग फ़ॉरन स्टडीज़ युनिवर्सिटी, चीन , liyalan@bfsu.edu.cn

वेदप्रकाश सिंह, ओसाका विश्वविद्यालय, जापान, singh.ved.prakash.hmt@osaka-u.ac.jp

शिव कुमार सिंह, लिस्बन विश्वविद्यालय, पुर्तगाल, shivsingh@campus.ul.pt

हंसा दीप, यूनिवर्सिटी ऑफ़ टोरंटो, कैनेडा, hansa.deep@utoronto.ca

अंक संपादक:

हंसा दीप

स्थायी संपर्क पता:

नॉटनल, स्वत्वाधिकार © 2024

16/1454, इंदिरा नगर, लखनऊ- 226016, उत्तर प्रदेश, भारत

antardesh.patrika@gmail.com

अंतरदेश से जुड़े क़ानूनी विवाद लखनऊ उच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में आएँगे। मौखिक और लिखित रचनाओं और कृतियों में व्यक्त विचार रचनाकारों के निजी विचार हैं, नॉटनल, संपादक और संपादक मंडल के नहीं।

अनुक्रम

संपादकीय 5

स्मृतियों का कोलाज 8

डॉ. विजया सती

टोरंटो : मानवता को इंसुलिन की देन 23

धर्मपाल महेंद्र जैन

कनाडा में ‘सिब्बल्ड पॉइंट’ की सैर 33

ब्रजेश कानूनगो

अनूठा देश कनाडा 43

मोहन वर्मा

क्यूबेक का सुनहरा रंग : मेपल सिरप 54

मैरी-एन ब्रिसबॉस

लाल रंग हमारी रगों में बहता है 62

सिंथिया डियस

कनाडाई कलहंस - गीज़ 68

एमिली लू ड्यूमोंट

मेरी बैंफ यात्रा 74

इलीनोर जोसेफ

कनाडा की स्वास्थ्य सुविधाएँ 79

साहिल गुप्ता

साफ और सुंदर देश: कनाडा 83

वर्णिका वेद

कनाडा में जीवन 85

माही मांकड़

व्यक्तिगत एवं बौद्धिक विकास 87

ऊर्जा सूद

कनाडा मेरी नज़र में 89

अकित्सुको यासुताके

कनाडा : एक परिचय 91

आओकी मिओ

जेन्स मंक 93

येगोर शपूरोव

एक कहानी: पकाना सीखने के लिए – वेनबा 104

अंटोनिया मऊडर

मसाला लड़की 109

लिल्ली शर्मा

सुंदरता के बारे में चर्चा 112

आर्नो दोहमेन, जर्मनी

अलौकिक आनंद का स्रोत : नायग्रा जलप्रपात 120

डॉ. आरती लोकेश

जीवंत आसमान की धरती : सास्काटून 140

डॉ. रेणुका शर्मा

सफेदी की विशालकाय चादर पर छोटे-छोटे पैर 153

डॉ. हंसा दीप

संपादकीय

घर से दूर एक घर बनाने के पीछे चाहे जो भी कारण रहे हों, लेकिन एक बात तो तय है कि अपनी जड़ों से कटकर दूसरी ज़मीन में पनपने के लिए बहुत धैर्य चाहिए। साथ ही, कुछ लेने के पहले, कुछ देना भी पड़ता है, और वह है अपनापन। एक बार जब यह कोशिश शुरू हो जाए तो वही आत्मीयता गुणित होकर खुद को सिंचित करने लगती है। कटे पौधे को नई जमीन देकर एक विशाल वृक्ष के रूप में परिवर्तित कर देती है। मैं भी भारतीयता के साथ इस ज़मीन से जुड़ी थी लेकिन आज कनाडाई कहलाने में भी मुझे बेहद गर्व महसूस होता है।

कैनेडा, उत्तरी अमेरिका में यही प्रचलित नाम उच्चारित होता है। पंजाब प्रांत में **कनेडा** और भारत के अन्य सभी राज्यों में **कनाडा** नाम से लिखा-पढ़ा और बोला जाता है। कनाडा विशेषांक से भारतीय पाठकों को अधिक से अधिक जानकारी मिले इसीलिए इस अंक में कनाडा, के साथ **ओटावा** (**आटोवा**) शब्द लेना मैंने उचित समझा। बहरहाल, नाम और उच्चारण से परे अपनी कर्म भूमि के विशेषांक पर काम करना मेरे लिए अहम जिम्मेदारी रही।

हालाँकि पहले भी कनाडा पर आधारित पत्रिका और पुस्तक का संपादन मैंने किया है, लेकिन अंतरदेश के इस अंक की खास बात है, अपने हिन्दी छात्रों को इस